वह स्वर्गदूतों से महान बना दिया गया है!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

पुनरुत्थान ने सब कुछ बदल दिया

“सप्ताह के पहले दिन, भोर के समय, वे मसालों के साथ समाधि की
ओर गईं जो उन्होंने तैयार किए थे। और उन्होंने देखा कि
पत्थर समाधि से हटा दिया गया है, लेकिन जब वे अंदर गईं तो
प्रभु यीशु का शरीर नहीं मिला।”
— लूका 24:1–3

जब महिलाएँ मृत शरीर को अभिषेक करने के लिए समाधि पर पहुँचीं, तो उन्होंने खाली कब्र और दो चमकते हुए स्वर्गदूत देखे, जिन्होंने कहा:

“तुम जीवित को मृतकों में क्यों खोज रहे हो? वह यहाँ नहीं
है, बल्कि जी उठा है। याद रखो, उसने तुम्हें कैसे बताया… कि मनुष्य का पुत्र पापी लोगों के हाथों में सौंपा जाएगा,
क्रूस पर मारे जाएगा और तीसरे दिन जीवित होगा।”
— लूका 24:5–7

यह केवल यीशु के दुःख का अंत नहीं था। यह इतिहास का सबसे महान कार्य था—एक ऐसा कार्य जिसे कोई स्वर्गदूत पूरा नहीं कर सकता।

वह स्वर्गदूतों से महान बना दिया गया है!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

क्रूस पर, यीशु ने पुकारा:

“पूर्ण हुआ।”
— यूहन्ना 19:30

यह घोषणा हार की नहीं, बल्कि पूर्ण विजय की थी। जैसे एक छात्र अपनी अंतिम परीक्षा पूरी करने के बाद कलम रखता है, वैसे ही यीशु ने धार्मिकता की परीक्षा पूरी तरह से उत्तीर्ण की।

यीशु मसीह स्वर्गदूतों से बढ़कर हैं

“वह स्वर्गदूतों से उतना ही श्रेष्ठ हो गया है, जितना उसका प्राप्त नाम उनसे श्रेष्ठ है।”
— इब्रानियों 1:4

यीशु ने केवल पवित्रता या आज्ञाकारिता में स्वर्गदूतों का मुकाबला नहीं किया, बल्कि उन्हें पार कर दिया। कई स्वर्गदूत विश्वासी बने रहे और कुछ गिरे (प्रकाशितवाक्य 12:9 देखें), लेकिन किसी ने भी मानव जीवन जिया, दूसरों के उद्धार के लिए

वह स्वर्गदूतों से महान बना दिया गया है!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

निर्दोष होकर दुःख नहीं झेला। केवल यीशु ने।

वह इतिहास में अकेले ऐसे इंसान बने जिन्होंने पाप के बिना जीवन जिया (इब्रानियों 4:15) और आकाश और पृथ्वी के सामने दिखाया कि परमेश्वर की आत्मा द्वारा मनुष्य पापरहित जीवन जी सकता है। इसलिए लिखा है:

“वह स्वर्गदूतों से महान बना दिया गया है।”

स्वर्गदूत भी परीक्षित हुए, पर कोई यीशु जैसा नहीं
हम अक्सर भूल जाते हैं कि स्वर्गदूतों की भी परीक्षा हुई। कुछ शैतान के साथ गिरे (प्रकाशितवाक्य 12:4), जबकि अन्य विश्वास में टिके रहे और अब परमेश्वर की महिमा में सेवा करते हैं (इब्रानियों 1:14)। लेकिन कोई भी यीशु जैसा आज्ञाकारी या दुःख सहने वाला नहीं था।

इसलिए पिता ने यीशु को उच्च स्थान दिया:

“इसलिए परमेश्वर ने उन्हें उच्च स्थान दिया और हर नाम से
ऊपर एक नाम दिया, ताकि यीशु के नाम पर हर घुटना झुके… और हर जुबान स्वीकार करे कि यीशु मसीह प्रभु हैं, परमेश्वर पिता
की महिमा के लिए।”

वह स्वर्गदूतों से महान बना दिया गया है!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

— फिलिपियों 2:9–11

यदि यीशु को ऊँचा किया गया है, तो उनके भाई भी ऊँचे होंगे यीशु हमें अपने भाई कहते हैं (इब्रानियों 2:11)। जैसे कोई राष्ट्रपति अपने परिवार को नहीं भूलता, वैसे ही यीशु अपने आध्यात्मिक परिवार को नहीं भूलते। यदि उन्हें सबके ऊपर उठाया गया, तो उनके होने वाले भाई-बहन भी उनके साथ उठाए जाएंगे (रोमियों 8:17)।

“जो विजयी होगा, मैं उसे मेरे और मेरे पिता के सिंहासन पर
बैठने दूँगा।”
— प्रकाशितवाक्य 3:21

इसलिए आध्यात्मिक रूप से उनका भाई होना आवश्यक है—मांस और रक्त से नहीं, बल्कि परमेश्वर की आत्मा और मसीह के रक्त से जन्म लेना (यूहन्ना 3:5; 1:12–13)।

अच्छे काम पर्याप्त नहीं हैं—आपको फिर से जन्म लेना होगा
आप दयालु, उदार, और धार्मिक हो सकते हैं, लेकिन यदि आप यीशु में विश्वास और उनके रक्त के द्वारा पुनर्जन्म नहीं लेते, तो आपके

वह स्वर्गदूतों से महान बना दिया गया है!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

अच्छे काम आपको परमेश्वर का राज्य नहीं देंगे।

“सत्य-सत्य, मैं तुम्हें कहता हूँ, जब तक कोई फिर से जन्म
नहीं लेता, वह परमेश्वर का राज्य नहीं देख सकता।”
— यूहन्ना 3:3

कैसे फिर से जन्म लें?

यीशु पर विश्वास करें, जो परमेश्वर का पुत्र और आपका उद्धारकर्ता हैं।

यीशु के नाम पर पानी में बपतिस्मा लें (प्रेरितों के काम 2:38)।

पवित्र आत्मा प्राप्त करें, जो आपके अंदरूनी जीवन को बदलता है और पवित्रता में जीने की शक्ति देता है।

“जब तक कोई पानी और आत्मा से जन्म नहीं लेता, वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता।”
— यूहन्ना 3:5

वह स्वर्गदूतों से महान बना दिया गया है!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

उद्धार अर्जित नहीं किया जाता, यह विरासत है
परमेश्वर का राज्य प्रयास का इनाम नहीं, बल्कि उनके बच्चों की विरासत है।

“परन्तु जिसने उसे स्वीकार किया, और उसके नाम पर विश्वास
किया, उसने परमेश्वर का बच्चा बनने का अधिकार पाया।”
— यूहन्ना 1:12

जैसे कोई मालिक अपने कर्मचारी के अच्छे व्यवहार से नहीं, बल्कि अपने बच्चे को विरासत देता है, वैसे ही परमेश्वर का राज्य उन लोगों को मिलता है जो परमेश्वर से जन्मे हैं, केवल अच्छे काम करने वालों को नहीं।

इस ईस्टर को शाश्वत अर्थ दें
पुनरुत्थान का यह मौसम केवल परंपरा का नहीं है। यह आपको पुनर्जन्म लेने, मसीह के शाश्वत परिवार का हिस्सा बनने और उनकी विजय और विरासत में शामिल होने का दिव्य निमंत्रण है।

“इसलिए यदि कोई मसीह में है, वह नया सृजन है। पुराना चला गया; देखो, नया आ गया।”

वह स्वर्गदूतों से महान बना दिया गया है!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

—2 कुरिन्थियों 5:17

प्रार्थना और निमंत्रण
यदि आप अभी तक पुनर्जन्म नहीं ले चुके हैं, आज ही दिन है। प्रभु यीशु मसीह में विश्वास करें। अपने पापों का पश्चाताप करें। उनके नाम पर बपतिस्मा लें। उनके पवित्र आत्मा को माँगें और परमेश्वर के सच्चे बच्चे के रूप में नया जीवन शुरू करें।

“जो कोई प्रभु के नाम को पुकारेगा, वह उद्धार पाएगा।”
— रोमियों 10:13

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp